

गिरते मानवीय मूल्यों की पुनर्स्थापना, भारतीय संस्कृति की प्रगति एवं भावी-पीढ़ी में संस्कारों के बीजारोपण हेतु प्रो. (डॉ.) सोहन राज तातेड़, पूर्व कुलपति सिंधानिया विश्वविद्यालय, राजस्थान द्वारा दिये गये प्रवचनों के विषय जिसे **Youtube** पर **Channel 24+ News Punruthan** लिंक डालकर देखा जा सकता है प्रतिदिन प्रति विषय समय : 30 मिनट

क्र. सं.	प्रवचन का विषय	क्र. सं.	प्रवचन का विषय	क्र. सं.	प्रवचन का विषय
1.	संस्कृति एवं संस्कार	34.	प्रेक्षाध्यान साधना पद्धति	67.	ज्ञान का सार आचार
2.	भारतीय धर्म-दर्शन	35.	जीवन विज्ञान: जीने की कला	68.	तमो गुण-रजो गुण-सतो गुण
3.	वसुधैव कुटुम्बकम्	36.	जैन धर्म का पर्यावरण संरक्षण का सिद्धान्त	69.	प्रणायाम द्वारा स्वास्थ्य
4.	भारतीय कृषि परम्परा	37.	निश्चय एवं व्यवहार दृष्टि	70.	ध्यान क्यों करें ?
5.	दुःख का कारण-अज्ञान	38.	परोपकार की महिमा	71.	जीवन का आधार-जीवन शैली
6.	ईश्वर एवं आत्मा	39.	गुरुकुल शिक्षा प्रणाली	72.	प्रणाम की महिमा
7.	विद्या ददाति विनयम्	40.	वैश्वीकरण का विश्लेषण	73.	जगत् निर्दोष-सब मेरा दोष
8.	पर्यावरण संरक्षण	41.	आतंकवाद समस्या एवं समाधान	74.	टकराव टालिए
9.	जैन दर्शन के सिद्धान्त	42.	मानसिक स्वास्थ्य : कारण निवारण	75.	सहनशीलता द्वारा समग्र समाधान
10.	योग द्वारा स्वास्थ्य प्रबंधन	43.	शारीरिक स्वास्थ्य रख-रखाव	76.	वैचारिक प्रदूषण की रोकथाम
11.	महात्मा गांधी एवं अहिंसा	44.	बाल पीढ़ी में संस्कार निर्माण	77.	जैसा अन्न वैसा मन
12.	सांख्य दर्शन के सिद्धान्त	45.	वर्तमान में गीता की प्रासंगिकता	78.	मानवीय मूल्यों का झस
13.	मानवीय मूल्यों की पुनर्स्थापना	46.	भावनात्मक स्वास्थ्य क्या है?	79.	भारत सोने की चिड़िया
14.	पुरुषार्थ चतुष्टय	47.	भीतर एवं बाहर का सच	80.	आध्यात्मिक एवं भौतिक समृद्धि
15.	जैन दर्शन का कर्म सिद्धान्त	48.	समाज सेवा का महत्त्व	81.	शिक्षा द्वारा सभ्यता
16.	गीता का सन्देश	49.	मानव जीवन का सार	82.	प्राच्य एवं पाश्चात्य संस्कृति
17.	व्यक्तित्व विकास	50.	अध्यात्म का आनन्द	83.	कर्म एवं जीन्स का अन्तर्सम्बन्ध
18.	भारतीय संस्कृति में सेवा का महत्त्व	51.	मनुष्य प्रकृति का सर्वश्रेष्ठ प्राणी	84.	कार्यात्सर्ग द्वारा मानसिक शांति
19.	दान की महिमा	52.	बंधन एवं मुक्ति	85.	श्वास प्रेक्षा के प्रयोग
20.	सर्व धर्म समभाव	53.	अध्यात्म एवं विज्ञान	86.	रंगों का स्वभाव पर प्रभाव
21.	मानवीय एकता के सूत्र	54.	टी.वी. मोबाइल संस्कृति	87.	योग भगावे रोग
22.	शिक्षा द्वारा भावनात्मक विकास	55.	सबको साथ लेकर चलने की कला	88.	विद्वान् एवं पंडित का तुलनात्मक अध्ययन
23.	भगवान महावीर की अहिंसा	56.	आत्मा की पवित्रता	89.	विद्यायक विचार से प्रगति
24.	पांच महाव्रत	57.	भाग्य एवं पुरुषार्थ	90.	बाहरी एवं भीतरी पवित्रता
25.	धर्म हमें क्या देगा?	58.	जगत् नियंता व्यवस्थित शक्ति	91.	स्वच्छता ईश्वर का दूसरा नाम
26.	सुखी रहने के उपाय	59.	भारतीय दर्शनों में ध्यान की अवधारणा	92.	वर्तमान शिक्षा प्रणाली के दोष एवं फायदे
27.	परस्परपग्रहो जीवानाम्	60.	वेदान्त दर्शन	93.	भारतीय वर्ण व्यवस्था
28.	शांतिपूर्ण सहअस्तित्व	61.	उपनिषदों पर प्रवचन	94.	सृष्टि पंचभूतात्मक
29.	योग द्वारा मोक्ष	62.	बौद्ध एवं जैन धर्म में मानवतावाद	95.	शिक्षा का निजीकरण
30.	पतंजलि का अष्टांग योग	63.	अणुव्रत आचार संहिता	96.	भूगते उसकी भूल
31.	उत्तरदायित्व एवं अधिकार	64.	स्वामी विवेकानन्द का दर्शन	97.	हुआ सो न्याय
32.	सेवा का महत्त्व	65.	प्राकृतिक चिकित्सा के लाभ	98.	वरिष्ठ नागरिक के दायित्व एवं अधिकार
33.	भारतीय दर्शनों में मोक्ष की अवधारणा	66.	जैन धर्म का षट्जीव निकाय	99.	नशा नाश का द्वार है
				100.	अध्यात्म एवं नैतिकता

गिरते मानवीय मूल्यों की पुर्नस्थापना, भारतीय संस्कृति की प्रगति एवं भावी-पीढ़ी में संस्कारों के बीजारोपण हेतु प्रो. (डॉ.) सोहन राज तातेड़, पूर्व कुलपति सिंघानिया विश्वविद्यालय, राजस्थान द्वारा दिये गये प्रवचनों के विषय जिसे **Youtube** पर **Channel 24+ News Punruthan** लिंक डालकर देखा जा सकता है प्रतिदिन प्रति विषय समय : 30 मिनट

क्र. सं.	प्रवचन का विषय	क्र. सं.	प्रवचन का विषय	क्र. सं.	प्रवचन का विषय
101.	जाको राखे सांझ्या मार सके ना कोय	134.	आत्मशुद्धि साधनम् धर्मः	167.	भ्रूण हत्या महापाप
102.	जिन खोजा तिन पांझ्या	135.	संस्कारों का बीजारोपण	168.	बढ़ती जनसंख्या चिन्ता का कारण
103.	अतिथि देवो भवः	136.	वरिष्ठ नागरिक : अनुभव का खजाना	169.	सामुदायिक आदर्श जीवन
104.	आदर्श जीवन शैली के सूत्र	137.	टूटते परिवार	170.	अनुशासन से आत्म विश्वास
105.	अहिंसा सब्भूय खेमंकरी	138.	साम्प्रदायिक सौहार्द	171.	दुर्घटना से देर भली
106.	जगत् कल्याण	139.	सद्भावना	172.	वाणी संयम
107.	एडरुट एवरोवेटर एवरीव्येहर	140.	नैतिकता	173.	जीवन में सदाचार
108.	आत्म साक्षात्कार	141.	नशा मुक्ति	174.	विरोध, विरोध के लिए नहीं : विकास के लिए
109.	राम राज्य	142.	माता पिता : गृहस्थ के भगवान	175.	महाव्रत और अणुव्रत
110.	प्रेम सबसे बड़ा रसायन	143.	प्रतिरोधक शक्ति	176.	ईच्छा परिमाण
111.	आमामंडल	144.	योग द्वारा समग्र स्वास्थ्य	177.	भोगवादी संस्कृति के नुकसान
112.	अनेकातः तीसरा नेत्र	145.	महात्मा गांधी का ट्रस्टीशिप सिद्धान्त	178.	गाय की सुरक्षा : राष्ट्र सुरक्षा
113.	कुंडलिनी जागरण	146.	एकला चालो रे	179.	सर्व शिक्षा अभियान
114.	गुरु बिन ज्ञान नहीं	147.	पुण्य एवं पाप	180.	भारतीय दर्शन में मानवीय दृष्टिकोण
115.	चैतन्य केन्द्र प्रेक्षा	148.	थारण-कार्य सिद्धान्त	181.	कर्मशास्त्र का वैज्ञानिक विवेचन
116.	समय बड़ा बलवान	149.	कर्म बंधन का कारणः कर्त्ताभाव	182.	भारतीय उत्सव एवं पर्व
117.	शरीर प्रेक्षा	150.	महात्मा गांधी का सत्याग्रह	183.	विवाह एक सामाजिक आवश्यकता
118.	चेतन, अचेतन, अचेतन मन	151.	अर्जन के साथ विसर्जन	184.	तप जीवन का श्रृंगार
119.	लेश्या ध्यान	152.	सत्यं, शिवं, सुन्दरं	185.	सादा जीवन उच्च विचार
120.	ज्योति केन्द्र प्रेक्षा	153.	बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ	186.	कष्ट सहिष्णुता
121.	चित्त और मन	154.	नारी सशक्तिकरण	187.	मोक्ष का साधन : कषाय मुक्ति
122.	कड़ी मेहनत का मुकाबला नहीं	155.	दहेज दानव : एक बुराई	188.	आत्मशुद्धि के उपाय
123.	आध्यात्मिक वैज्ञानिक व्यक्तित्व	156.	रोजगार के साधन कुटीर उद्योग	189.	तनाव मुक्ति : कारण, निवारण
124.	भारतीय दर्शनों में जगत् की अवधारणा	157.	जीओ और जीने दो	190.	सफलता का राज : शिष्टाचार
125.	जैन दर्शन में जगत् की अवधारणा	158.	काल करे सो आज कर	191.	राष्ट्रहित सर्वोपरि
126.	अपना सुधार संसार की सबसे बड़ी सेवा	159.	दरिद्र सेवा – नारायण सेवा	192.	ज्वलंत समस्या : प्रदूषण
127.	लघुता एवं प्रभुता	160.	भारत की विशेषता : विभिन्नता में एकता	193.	आतंकवाद : कारण, निवारण
128.	आलस्याणां शरीरस्थो महान् रिपु	161.	जातिवाद का बढ़ता जहर	194.	खाद्य संयम
129.	निष्काम कर्म	162.	चुनाव शुद्धि	195.	संयम : खलु जीवनम्
130.	चरेवेति- चरेवेति	163.	प्रजातन्त्र : स्वच्छ तंत्र	196.	वानप्रस्थ जीवन शैली
131.	सामायिक, आलोचना, प्रतिक्रमण, प्रत्याख्यान	164.	स्वस्थ तन, स्वस्थ मन	197.	माँ बच्चे की प्रथम पाठशाला
132.	यम-नियम	165.	सारे जहां से अच्छा हिन्दुस्तान हमारा	198.	ऑनेस्टी इज द बेस्ट पालिसी
133.	भारतीय दर्शनों में आत्मा की अवधारणा	166.	लालच बुरी बला	199.	बचत करने के फायदे
				200.	वरिष्ठ नागरिकों के दायित्व एवं अधिकार

गिरते मानवीय मूल्यों की पुनर्स्थापना, भारतीय संस्कृति की प्रगति एवं भावी-पीढ़ी में संस्कारों के बीजारोपण हेतु प्रो. (डॉ.) सोहन राज तातेड़, पूर्व कुलपति सिंधानिया विश्वविद्यालय, राजस्थान द्वारा दिये गये प्रवचनों के विषय जिसे **Youtube** पर **Channel 24+ News Punruthan** लिंक डालकर देखा जा सकता है 10 प्रतिदिन प्रतिविषय समय : 30 मिनट

क्र. सं.	प्रवचन का विषय	क्र. सं.	प्रवचन का विषय	क्र. सं.	प्रवचन का विषय
201.	अन्तः समीक्षा	234.	बदले की भावना से बचें	267.	जीवन एक : दृष्टि अनेक
202.	जीवनोपयोगी तत्व : उपशम और क्षमा	235.	अध्यात्म की ओर कैसे बढ़ें	268.	प्रवृत्ति, निवृत्ति और हित निर्धारण
203.	धर्माचारण का प्रमुख अंग : दान	236.	आभूषण भार स्वरूप हैं	269.	आग्रहीन गहन चिंतन का द्वार हमेशा खुला रहे
204.	मानव की रुचि- एक चिन्तन	237.	वस्तु की अनेक धर्मात्मकता	270.	युवा शक्ति का सही नियोजन
205.	क्षमा वीरस्य भूषणम्	238.	ध्येय जीवन का निर्माता	271.	स्वतन्त्रता प्राप्ति और फलितार्थ
206.	अपना पुरुषार्थ दें, परमार्थ को	239.	धर्म का द्वार सभी के लिए	272.	धर्म का आन्तरिक संदेश
207.	भारत राष्ट्र और सन्तो का संदेश	240.	समत्वपूर्ण जीवन	273.	भोगवाद का समाधान-त्याग
208.	भक्ति की रचनात्मकता	241.	सिद्धान्त और जीवन	274.	सुसंस्कारों द्वारा जीवन में शान्ति
209.	भाव शक्ति	242.	प्रतिष्ठा का व्यामोह	275.	सार्थक जीवन जीना : एक तप नियमबद्ध जीवन आज की आवश्यकता
210.	मौलिक सौन्दर्य	243.	आस्था हमारा सम्बल	276.	अज्ञानता से बढ़कर कोई दुःख नहीं
211.	स्वाध्याय का महत्त्व	244.	व्यक्ति का अपना भाव जगत्	277.	परमार्थ : स्वार्थ से ऊपर
212.	सुख और दुःख का अन्तर्दर्शन	245.	चेतना और मन	278.	हठ सकल्प : सफलता की कुंजी
213.	व्यथा नहीं व्यवस्था करो	246.	आत्मकर्तृत्ववाद	279.	मानव जीवन का अभिशाप : नशा
214.	मानव : युग निर्माता	247.	धर्म और अर्थ का समन्वय	280.	आत्मा में ही परमात्मा का वास
215.	न्यायपूर्ण बनो	248.	दुखों की जड़ वाक् असंयम	281.	समभाव में शान्ति
216.	सपना कभी ना अपना	249.	समय और हम	282.	अति आधुनिकता संस्कृति के लिए घातक
217.	जैसी दृष्टि वैसी सृष्टि	250.	सच्चरित्र का यथार्थ	283.	कर्मफल अपरिहार्य है
218.	बात कम, काम ज्यादा	251.	परमार्थ की उपेक्षा डुबो देगी	284.	धर्म, चरित्र निर्माण में उपयोगी
219.	क्या निर्लज्जता ही आधुनिकता है	252.	आडम्बर प्रिय नहीं, धर्म प्रिय बनें	285.	जीवन में विधायक परिवर्तन
220.	सद्ज्ञान : सुख का मूल	253.	समूहिक हित चिंतन	286.	पापी से नहीं पाप से घृणा करो
221.	संकीर्णता छोड़ो, सेवा करो	254.	मौन और उसकी शक्ति	287.	सन्मार्ग से जीवन सुखी
222.	ज्योर्तिमय जीवन की प्रक्रिया	255.	जीवन का दिव्य गुण : शील	288.	करत-करत अभ्यास के जड़मति होत सुज्ञान
223.	जागो फिर एक बार	256.	जीवन दर्शन और प्रदर्शन	289.	स्वस्थ जीवन शैली के सूत्र
224.	जब रक्षक बने भक्षक	257.	मोह मुक्त हो बुद्धि	290.	संग्रह से अशांति
225.	यथार्थ दृष्टिकोण	258.	प्रशंसा नहीं प्रस्तुति करो	291.	अनासक्त भाव से ही मुक्ति सम्भव
226.	हम और हमारा समाज	259.	भारत में किसानों की दुर्दशा	292.	राष्ट्र धर्म भी धर्म का एक अंग
227.	जो चलता है उसको नमन्	260.	वैज्ञानिक अनुसंधान द्वारा उन्नत खेती	293.	देशरक्षा का वास्तविक प्रहरी कौन?
228.	महान् कौन?	261.	अति संग्रह की लालसा से बचें	294.	अपना निर्माण अपने से
229.	अतिभावुकता से बचे	262.	तनाव और उसका समाधान	295.	चिन्ता नहीं चिन्तन करो
230.	शुभ का हो वरण	263.	जन भावनाओं का स्वागत	296.	व्यक्ति की पहचान सद् संगति से
231.	राजनीति स्वार्थों के घेरे में	264.	भाव शुद्धि द्वारा व्यवहार शुद्धि	297.	समस्त धर्मों का सार : मानवता
232.	विवेगे धर्म : माहिए	265.	मानव क्षुद्र का नहीं विराट का वरण करे	298.	स्वास्थ्य के लिए व्रत आवश्यक
233.	धर्म और धार्मिक	266.	चेतना का उर्ध्वारोहण कैसे?	299.	सद्गुरु से सत्य प्रकाश
				300.	

गिरते मानवीय मूल्यों की पुनर्स्थापना, भारतीय संस्कृति की प्रगति एवं भावी-पीढ़ी में संस्कारों के बीजारोपण हेतु प्रो. (डॉ.) सोहन राज तातेड़, पूर्व कुलपति सिंघानिया विश्वविद्यालय, राजस्थान द्वारा दिये गये प्रवचनों के विषय जिसे **Youtube पर Channel 24+ News Punruthan** लिंक डालकर देखा जा सकता है प्रतिदिन प्रति विषय समय : 30 मिनट

क्र. सं.	प्रवचन का विषय	क्र. सं.	प्रवचन का विषय	क्र. सं.	प्रवचन का विषय
301.	धर्म जड़ता नहीं गतिशीलता है	340.	कर्ममार्ग की श्रेष्ठता	369.	अंतः समीक्षा
302.	साधनों का सदुपयोग	341.	स्वास्थ्य सुरक्षा	370.	क्षमा का अन्तर्दर्शन
303.	उपयोग से ही वस्तु का महत्त्व	342.	आध्यात्मिकता	371.	नव सृजन का आधार
304.	क्रोध जीवन ऊर्जा का नाशक	343.	संग्रह नहीं संयम करो	372.	स्वाध्याय का महत्त्व
305.	धर्म से निर्ग्रन्थ	344.	आत्म साधना का पर्व पर्युषण	373.	सहज सौन्दर्य
306.	आदर्शों का हृदय में स्थान	345.	क्षमा भाव	374.	आनन्दमय चेतना
307.	भ्रष्टाचार का दहन जरूरी	346.	समत्व की साधना	375.	आत्मा का अभ्युदय
308.	स्वस्थ आस्था से चरित्र निर्माण	347.	मानव जीवन के पुरुषार्थ	376.	कर्म निर्जरा
309.	जीवन के आन्तरिक व बाह्य पक्ष	348.	आत्मानुशीलन	377.	जीव-जगत् मीमांसा
310.	आत्मानुशासन से जीवन का विकास	349.	पुरुषार्थ के बिना भाग्य नहीं	378.	चमकने वाली सभी वस्तुएं सोना नहीं है।
311.	सैनिक व संत भारतीय संस्कृति के प्रहरी	350.	आस्था एक महाशक्ति	379.	शूलों में भी जीना सीखो
312.	समस्याओं का मूल अहंकार	336.	चिन्ता छोड़ो चिन्तन करो	380.	राग-द्वेषमुक्त जीवन
313.	अतिसंग्रह का त्याग	337.	जीवन और ब्रह्म	381.	जीवन के कुछ परम सत्य
314.	कुरीतियां सामाजिक विकास में बाधक	338.	गुणों का सामन्जस्य	382.	अद्वैत-चिन्तन
315.	धर्म जोड़ता है, तोड़ता नहीं	344.	आत्म साधना का पर्व पर्युषण	383.	सत्त्व, रज और तम
316.	नैतिकता से राष्ट्र की सेवा	345.	क्षमा भाव	384.	राष्ट्र प्रेम
317.	योग भगावे रोग	346.	समत्व की साधना	385.	वरिष्ठ नागरिक और युवा पीढ़ी
318.	ज्ञान की मीमांसा	347.	मानव जीवन के पुरुषार्थ	386.	आतंकवाद की पीड़ा
319.	सद्गुण ही श्रेष्ठता का मापदण्ड	348.	आत्मानुशीलन	387.	परोपकार की महिमा
320.	चारित्रिक मूल्यों की पुनर्स्थापना	349.	पुरुषार्थ के बिना भाग्य नहीं	388.	सार्थक बहस
321.	प्रकृति प्रेरणा	350.	आस्था एक महा शक्ति	389.	भावधारा का परिष्कार
322.	जीवन का अर्थ	351.	सद्विचारों से चरित्र निर्माण	390.	पशुता मानवता को छलती है
323.	भ्रूण हत्या	352.	शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व	386.	आतंकवाद की पीड़ा
324.	स्वयं की समीक्षा	353.	बच्चों में संस्कार निर्माण	387.	परोपकार की महिमा
325.	नव चेतना का अंकुरण	354.	अज्ञानता अन्धकार है	388.	सार्थक बहस
326.	स्वयं के दोष देखें	355.	नागरिकों के राष्ट्रीय दायित्व	389.	भावधारा का परिष्कार
327.	क्लेशों में तपता मानव	356.	मानसिक तनाव के रोग	390.	पशुता मानवता को छलती है
328.	मुक्ति मार्ग	357.	मानसिक तनाव चिकित्सा	391.	जीवन में तप का महत्त्व
329.	जीवन-चिंतन	358.	क्षण-क्षण शुभ का सर्जन	392.	प्रतिष्ठा का व्यामोह
330.	ममता का घेरा तोड़ो	359.	भारत पुनः महान् हो	393.	सम्यक् दर्शन
331.	ब्रह्मचर्य श्रेष्ठ व्रत	360.	लहराता प्रकृति का अंचल	394.	सिद्धान्त और जीवन
332.	जीवन में अनुशासन	361.	कर्म-मीमांसा	395.	हम और हमारा समाज
333.	चरित्र निर्माण	362.	आत्म निरीक्षण और परीक्षण	396.	मानव का सेवा धर्म
334.	अन्तर का आलोक	363.	अर्जन और विसर्जन	397.	जो चलता है उसको नमन्
335.	दूसरों के गुण देखें	364.	समाज की पीड़ा	398.	गाँव और शहरों का अन्तर
336.	चिन्ता छोड़ो चिन्तन करो	365.	क्लेशों से तपता मानव	399.	जीवन में यम और नियम
337.	जीवन और ब्रह्म	366.	संस्कार निर्माण के सूत्र	400.	शारीरिक स्वास्थ्य के लिए आसन जरूरी
338.	गुणों का सामन्जस्य	367.	प्रेम महा रसायन		
339.	भक्तिमार्ग	368.	अहिंसा महापथ है		

गिरते मानवीय मूल्यों की पुनर्स्थापना, भारतीय संस्कृति की प्रगति एवं भावी-पीढ़ी में संस्कारों के बीजारोपण हेतु प्रो. (डॉ.) सोहन राज तातेड़, पूर्व कुलपति सिंधानिया विश्वविद्यालय, राजस्थान द्वारा दिये गये प्रवचनों के विषय जिसे **Youtube** पर **Channel 24+ News Punruthan** लिंक डालकर देखा जा सकता है प्रतिदिन प्रति विषय समय : 30 मिनट

क्र. सं.	प्रवचन का विषय	क्र. सं.	प्रवचन का विषय	क्र. सं.	प्रवचन का विषय
401.	जैन परम्परा में आचार तत्त्व	437.	व्यक्तित्व का रुपान्तरण	473.	परिवार से बड़ा कोई धन नहीं
402.	अष्ट प्रवचन माताएँ	438.	नमस्कार महामन्त्र	474.	अति स्नेह पाप की आशंका उत्पन्न करता है
403.	संलेखना अथवा संधारा	439.	मन्त्र और अध्यात्म चेतना	475.	जियो मगर प्रेम से
404.	सामाजिक सन्दर्भों में वर्ण व्यवस्था का महत्त्व	440.	परहित सरिष धर्म नहीं भाई	476.	भक्ति की शक्ति
405.	दर्शन का जीवन में महत्त्व	441.	पंचास्रव	477.	संगति से गुण और दोष
406.	धर्म एवं सम्प्रदाय	442.	आश्रम व्यवस्था और उसका आधार	478.	चमकने वाली सभी वस्तुएं सोना नहीं है
407.	प्रतिभा पलायन	443.	आत्मा और कर्म का सम्बन्ध	479.	सन्त वही जो शान्त हो
408.	जीवन में खेलों का महत्त्व	444.	सह अस्तित्व और सदाचार	480.	पशु हिंसा पाप है
409.	विकास में विज्ञान का योगदान	445.	व्यक्तित्व विकास में योग	481.	ज्ञाता-द्रष्टा भाव
410.	डिजिटल इण्डिया	446.	जीवन शैली और शाकाहार	482.	दूर दृष्टि, पक्का इरादा
411.	राष्ट्रवाद	447.	शारीरिक परिवर्तन और नशा	483.	राष्ट्र प्रेम
412.	भारत के राष्ट्रीय पर्व	448.	स्वास्थ्य दर्शन	484.	मित्रता प्रेम रसायन है
413.	बाल मजदूरी	449.	आहार संयम और संतुलन	485.	चिन्ता नहीं चिन्तन करो
414.	समाजिक मुद्दे और सामाजिक जागरुकता	450.	जीव दया	486.	अनुशासन से उन्नति
415.	स्वच्छ भारत अभियान	451.	हिन्दी हमारी मातृ भाषा	487.	जल ही जीवन है
416.	जल ही जीवन है	452.	जब जागो तभी सवेरा	488.	संवर और निर्जरा
417.	महिला सुरक्षा	453.	प्रजातन्त्र में चुनाव प्रक्रिया	489.	जैन दर्शन में जीवन की उत्पत्ति
418.	शान्ति और सद्भाव	454.	कर्म की अवस्थाएँ	490.	आन्तरिक ऊर्जा का विकास
419.	किसानों की समस्याएँ	455.	पुण्य और पाप	491.	लोक मंगल की भावना
420.	भ्रष्टाचार मुक्त भारत	456.	परीषह विजय	492.	समन्वय से विकास
421.	राष्ट्र के प्रति कर्तव्य	457.	संलेखना आत्महत्या नहीं है	493.	ईश्वर सबसे बड़ा न्याय कर्ता
422.	समय का सदुपयोग	458.	साहित्य समाज का दर्पण है	494.	समभाव में जीना सीखें
423.	धर्म तोड़ता नहीं जोड़ता है	459.	स्वस्थ तन, स्वस्थ मन	495.	बुनियादी सुविधाओं से विकास
424.	जलवायु परिवर्तन	460.	अहंकार विनाश का मूल	496.	स्व आत्मानुभूति
425.	वृक्षारोपण का महत्त्व	461.	साध्य और साधन की पवित्रता	497.	स्वतन्त्रता स्वच्छन्दता नहीं है
426.	स्वयं के दोष दूसरों के गुण देखें	462.	भारत में लोकतन्त्र का भविष्य	498.	महानगरों की समस्याएं
427.	ईमानदारी सर्वश्रेष्ठ नीति है	463.	संशय और विनिश्चय	499.	भूगर्भ संरक्षण
428.	सादा जीवन उच्च विचार	464.	वर्तमान में जियो	500.	क्या खोया क्या पाया?
429.	साधुचर्या	465.	सृष्टि का सौन्दर्य		
430.	रियल एवं रिलेटिव	466.	बौद्ध दर्शन के चार आर्य सत्य		
431.	अंधविश्वास को कैसे दूर करें	467.	गुरु और गोविन्द		
432.	भारतीय युवा और राजनीति	468.	धर्म एक स्वरूप अनेक		
433.	कम्प्यूटर आज की आवश्यकता	469.	अच्छा करने के लिए जियो		
434.	मन की शुद्धि मन्त्र, जप-तप की साधना	470.	झुकनेवाला दुनिया को झुका सकता है		
435.	प्राकृतिक चिकित्सा में उपवास का महत्त्व	471.	समय बड़ा बलवान		
436.	चंचलता का कारण	472.	मुसीबत बिखरने के लिए नहीं निखरने के लिए		